

SET-1 (12th Political Science) Marking Scheme

1.C

2. A

3. B

4. C

5. B

6. C

7. A

8. फ़ख़रुद्दीन अली अहमद

Fakhruddin Ali Ahmed

9. मिज़ो नेशनल फ्रंट

Mizo National Front

10. अटल बिहारी वाजपेयी

Atal Bihari Vajpayee

11. 1917

12. 28 May 2008

13. शेख मुजीबुर रहमान

Sheikh Mujib-Ur-Rahman

14. मालदीवि हुयन डेमोक्रेटिक पार्टी

Maldivian Democratic Party

15. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा बनाये रखना

Maintain International peace and security

16. 2004

17. 5 and 10

18. मिखाइल गोर्बाचेव

Mikhail Gorbachev

19. A

20. A

21. पटेल को 'लौह पुरुष' कहा जाता है। उन्होंने भारतीय राजाओं में देशभक्ति जगाने और उन्हें अपने राज्यों को भारतीय संघ में एकीकृत करने के लिए मनाने की कोशिश की। रियासतों के एकीकरण को संभव बनाने का प्रयास करते समय सरदार पटेल द्वारा "प्रिवी पर्स" की अवधारणा भी पेश की गई थी।

Patel is called the 'Iron Man'. He tried to arouse patriotism among the Indian kings and convince them to integrate their states into the Indian Union. The concept of "Privy Purse" was also introduced by Sardar Patel while attempting to make possible the unification of the princely states.

22. एक पार्टी का प्रभुत्व स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के साथ-साथ लोकप्रिय सर्वसम्मति की ओर से प्रतिनिधित्व को संदर्भित करता है यानी भारत में कांग्रेस, जबकि एक पार्टी प्रणाली किसी विशेष पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कदाचार, धोखाधड़ी आदि के आधार पर प्रतिनिधित्व को संदर्भित करती है।

One party dominance refer to representation on behalf of popular consensus along with free and fair elections i.e. Congress in India whereas one party system refers representation based on malpractice fraud etc. To ensure winning of a particular party.

Or

1. पहले चुनाव में कांग्रेस ने उम्मीद के मुताबिक 364/489 सीटें जीतीं। 2. कांग्रेस के बाद दूसरे नंबर पर कम्युनिस्ट पार्टी ने केवल 16 सीटें जीतीं। 3. दूसरे और तीसरे चुनाव में भी कांग्रेस ने क्रमशः 1957 और 1962 में तीन चौथाई सीटें जीतकर लोकसभा में वही स्थिति बरकरार रखी।

1. In the first election Congress won 364/489 seats as per expectations.

2. The Communist Party next to Congress won only 16 seats

3. In second and third elections also Congress maintained the same position in Loksabha by winning of three fourth seats in the years 1957 and 1962 respectively.

23. भाजपा ने 1984 में केवल 2 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा का वोट शेयर केवल 7.7% था। चुनाव दर चुनाव भाजपा का प्रदर्शन बेहतर होता गया और पार्टी 1996 में लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। 1998 में , भाजपा ने अन्य दलों के साथ गठबंधन सरकार बनाई और पार्टी ने 1999 में भारी जीत हासिल की।

The BJP, won only 2 seats in 1984, while the BJP's vote share was only 7.7%. The BJP's performance improved from election to election, and the party emerged as the single largest party in the Lok Sabha in 1996. In 1998, the BJP formed a coalition government with other parties, and the party won a landslide victory in 1999.

Or

1. मंडल विरोधी हिंसक प्रदर्शन

2. गोधरा कांड

1. Violent anti-Mandal protest

2. Godhra incident

24. 1. इसे 1991 में संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम के रूप में लॉन्च किया गया था और इसे तत्कालीन प्रधान मंत्री नरसिम्हा राव द्वारा शुरू किया गया था: 2. भारत की नई आर्थिक नीति तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह (मुख्य वास्तुकार) द्वारा शुरू की गई थी।

1. It was launched in 1991 as the structural adjustment programme and it was started by the then Prime Minister Narasimha Rao: 2. India's New Economic Policy was launched by the then Finance Minister Dr. Manmohan (Chief Architect)

25. यूरोप के कुछ हिस्सों में 'यूरो संशयवाद' गहरे तक बैठा हुआ है। डेनमार्क और स्वीडन ने यूरो को अपनाने का विरोध किया। सदस्य राष्ट्र की अपनी विदेश और रक्षा नीतियां भी होती हैं जो कभी-कभी एक-दूसरे के विपरीत होती हैं।

There is a deep seated 'Euro skepticism' in some parts of Europe. Denmark and Sweden Resisted the adoption of Euro. The member state also have their own foreign and defence policies which are sometimes at odds with each other.

26. भारत सरकार ने मुक्ति वाहिनी का समर्थन करके बंगालियों के लिए एक अलग राज्य के निर्माण का समर्थन करने का निर्णय लिया। भारत ने इन विद्रोहियों को संगठित करने, प्रशिक्षित करने और हथियारों से लैस करने में मदद की।

The Indian government decided to support the creation of a separate state for ethnic Bengalis by supporting the Mukti Bahini. India helped to organise, train and arm these insurgents.

27. सीएनजी, एलपीजी जैसे वैकल्पिक ईंधन की शुरुआत

मेट्रो सहित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को बढ़ावा देना

Introduction of alternate fuel like CNG, LPG

Promotion of public transport network including Metro

28. वैश्वीकरण ने दुनिया भर में वस्तुओं के व्यापार को बढ़ा दिया है क्योंकि इससे एक देश से दूसरे देश के आयात पर प्रतिबंध लगाना कम हो गया है।

आर्थिक वैश्वीकरण ने पूरी दुनिया में विचारों का तीव्र विभाजन पैदा कर दिया है।

Globalisation has involved greater trade in commodities across the globe as it has reduced the imposing of restrictions on the imports of one country on another.

Economic globalisation has created an intense division of opinion all over the world.

Or

वैश्वीकरण के दो प्रमुख क्षेत्र हैं: 1. उदारीकरण व्यापार और निवेश की स्वतंत्रता प्रदान करता है, बाहरी व्यापार और भुगतान पर लगाए गए प्रतिबंधों को समाप्त करता है और तेजी से वैश्वीकरण के

लिए तकनीकी प्रगति का विस्तार करता है। 2. निजीकरण बहुराष्ट्रीय कंपनियों को एफडीआई आकर्षित करने के लिए देश के अंदर वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करने की अनुमति देता है।

Globalisation has two thrust areas: 1. Liberalisation provides freedom of trade and investment eliminate restrictions imposed on external trade and payments and expand technological progress to globalize faster. 2. Privatisation permits MNCs to produce goods and services inside the country to attract FDI.

29. निज़ाम के शासन में हैदराबाद भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। निज़ाम चाहते थे कि हैदराबाद एक स्वतंत्र राज्य बने। लेकिन हैदराबाद की जनता निज़ाम के गैर-लोकतांत्रिक आचरण के कारण उसके शासन से खुश नहीं थी। इसलिए समाज के विभिन्न वर्गों ने उनके खिलाफ आंदोलन किया: 1. तेलंगाना क्षेत्र के किसानों ने विशेष रूप से उनके खिलाफ आवाज उठाई। 2. महिलाएं भी बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुईं। 3. कम्युनिस्ट और हैदराबाद कांग्रेस आंदोलन में सबसे आगे थे

Hyderabad was the largest princely state of India under the rule of Nizam. Nizam wanted Hyderabad to be an independent state. But the people of Hyderabad were not happy with the rule of Nizam due to his non-democratic practices. Hence various section of society agitated against him: 1. The peasants in Telangana region particularly rose voice against him. 2. Women also joined the movement in large number. 3. The communist and Hyderabad congress were in the forefront of movement.

30. भारत को 1947 में बेहद कठिन परिस्थितियों में आजादी मिली: 1. देश के विभाजन के साथ आजादी मिली. 2. वर्ष 1947 अभूतपूर्व हिंसा और आघात का वर्ष बन गया।

India got independence in 1947 under very difficult circumstances: 1. Freedom came with the partition of the country. 2. The year 1947 became the year of unprecedented violence and trauma.

Or

वह अर्थव्यवस्था जिसमें आर्थिक विकास प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों मिलकर काम करते हैं, मिश्रित अर्थव्यवस्था कहलाती है। यह आम तौर पर पूंजीवाद और समाजवाद दोनों के सिद्धांत पर आधारित है। इस मॉडल में निजी संपत्ति की सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाती है।

Economy in which both private sector and public sector works together in order to achieve economic development is called as Mixed economy. It generally based on principle of both capitalism and socialism. In this model, Protection of private property and economic freedom is ensured.

31. प्रिवी पर्स पूर्व रियासतों के शासकों और उनके उत्तराधिकारियों को दी जाने वाली एक निश्चित, कर-मुक्त राशि होगी। इंदिरा गांधी ने प्रिवी पर्स को खत्म करने पर जोर दिया क्योंकि वंशानुगत विशेषाधिकार संविधान में निर्धारित समानता, सामाजिक और आर्थिक न्याय के सिद्धांत के साथ मेल नहीं खाते थे।

A privy purse would be a fixed, tax-free sum guaranteed to the former princely rulers and their successors. Indira Gandhi insisted on abolishing the privy purses because hereditary privileges were not constant with the principle of equality social and economic justice laid down in the constitution.

32. 1974 के छात्र आंदोलन के कारण: छात्रों ने निम्नलिखित के खिलाफ आंदोलन का आयोजन किया: 1. खाद्यान्न, खाना पकाने के तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें। 2. ऊंचे पदों पर भ्रष्टाचार. जय प्रकाश नारायण द्वारा निर्भाई गई भूमिका का आकलन करें: इंदिरा गांधी के इस्तीफे के लिए जयप्रकाश नारायण द्वारा सत्याग्रह का आयोजन किया गया था, उन्होंने 25 जून 1975 को एक विशाल प्रदर्शन द्वारा लोगों से अवैध और अनैतिक आदेशों का पालन न करने की अपील की। इन सभी ने कांग्रेस के खिलाफ देश के राजनीतिक मूड को बदल दिया।

Reasons for Student's Movement of 1974: Students organized the movement against: 1. Rising prices of food grains cooking oil and other essential commodities. 2. Corruption in high places. Assess Role played by Jai Prakash Narayan: Satyagraha was organized by Jayaprakash Narayan for Indira Gandhi's resignation he appealed to people not to obey illegal and immoral orders by a massive demonstration on 25 June 1975. All these changed the political mood of the country against Congress.

Or

इसने लोगों की नागरिक स्वतंत्रता को प्रभावित किया और अप्रैल 1976 में यह साबित हो गया कि सरकार सर्वोच्च न्यायालयों के तहत उच्च न्यायालयों के फैसले को खारिज करके नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को छीन सकती है। 2. संविधान में कई बदलाव लाने के लिए बयालीसवाँ संशोधन भी पारित किया गया। 3. इससे जनसंचार माध्यमों की कार्यप्रणाली भी प्रभावित हुई क्योंकि प्रेस सेंसरशिप लागू हो गई, जिसने प्रेस और समाचार पत्रों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा दिया, जिन्हें किसी भी सामग्री को प्रकाशित करने से पहले पूर्वानुमति लेनी होती थी।

It affected civil liberties of peoples i.e. in April 1976 it was proved that the government could take away citizens' right to life and liberty by overruling of high courts under supreme courts and accepted the government's plea. 2. The Forty-second Amendment was also passed to bring a series of changes to the constitution. 3. It affected the functioning of mass media also as press censorship took place which banned freedom of press and newspapers which were supposed to prior approval before they publish any material.

33. शॉक थेरेपी एक सत्तावादी समाजवादी व्यवस्था से लोकतांत्रिक पूंजीवादी व्यवस्था में संक्रमण की एक दर्दनाक प्रक्रिया थी। यह परिवर्तन प्रणाली रूस, मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में विश्व बैंक और आईएमएफ से प्रभावित थी। निम्नलिखित कमियों के कारण साम्यवाद से पूंजीवाद में परिवर्तन करने का यह सबसे अच्छा तरीका नहीं था:

1. रूस, ने अपने बड़े राज्य नियंत्रित औद्योगिक परिसर, लगभग 90 प्रतिशत उद्योगों को बिक्री के कारण निजी व्यक्तियों और कंपनियों को खो दिया।
2. इसने सामाजिक कल्याण की पुरानी व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया।
3. मुद्रास्फीति की उच्च दर के कारण रूसी मुद्रा 'रूबल' के मूल्य में नाटकीय रूप से गिरावट आई और 1989 से 1999 के बीच रूस की वास्तविक जीडीपी में भी गिरावट आई।

Shock Therapy was a painful process of transition from an authoritarian socialist system to a democratic capitalist system. This transformation system was influenced by the world bank and the IMF in Russia, Central Asia and East Europe. This was not the best way to make a transition from communism to capitalism due to following drawbacks:

1. Russia, the large state controlled industrial complex lost about 90 per cent of its industries through sales to private individuals and companies
2. It systematically destroyed old system of social welfare.
3. The value of 'ruble', the Russian currency, declined dramatically due to high rate of inflation and real GDP of Russia also declined between 1989 to 1999.

Or सोवियत अर्थव्यवस्था की विशेषता- 1. निवेश, कीमतों पर राज्य का नियंत्रण 2. प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता, 3. कम विदेशी व्यापार, औद्योगिक संपत्तियों का सार्वजनिक स्वामित्व, 4. कम बेरोजगारी और उच्च नौकरी सुरक्षा ।

The Soviet economy was characterized by 1. State control of investment and prices, 2. Dependence on natural resources, 3. Little foreign trade, public ownership of industrial assets, 4. low unemployment and high job security.

34. 1. आसियान राज्यों के भीतर सामान्य बाजार और उत्पादन आधारित गतिविधियाँ बनाना। 2. सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सहायता करना। 3. आर्थिक विवादों को सुलझाने के लिए मौजूदा विवाद निपटान तंत्र में सुधार किया गया है। 4. निवेश, श्रम और सेवाओं के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र भी बनाए गए हैं।

1. To create common market and production based activities within the ASEAN States. 2. To aid social and economic development. 3. To resolve economic disputes, the existing dispute settlement mechanism has been improved. 4. Free Trade Areas for investment, labor, and services have also been created.

35. **पारंपरिक** 1. पारंपरिक धारणा का संबंध युद्ध, शक्ति संतुलन और गठबंधन निर्माण में सेना के उपयोग से है। **गैर-पारंपरिक**-1. यह मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक परिस्थितियों को खतरे में डालकर सेना से भी आगे निकल जाता है। 2. पारंपरिक धारणा का संबंध राज्य और उसकी शासकीय संस्थाओं से है। 2. इसमें सुरक्षा के व्यापक पहलू यानी भूख से जुड़ी बीमारियाँ आदि शामिल हैं। 3. यह केवल आंतरिक और बाहरी खतरों के बारे में सोचकर राज्य तक ही सीमित है। 3. इसमें न केवल राज्य बल्कि सभी व्यक्ति या मानव जाति शामिल हैं।

Traditional Non-Traditional 1. Traditional notion is concerned with the use of the military a war the balance of power and alliance building. 1. It goes beyond military by threatening conditions necessary for human survival. 2. Traditional notion is concerned with the state and its governing institutions. 2. It covers a broad aspect of security i.e hunger diseases etc. 3. It is confined to state only by thinking of internal and external threats 3. It covers not only the state but also all individuals or humankind.

36. पर्यावरणीय आन्दोलन सामाजिक आन्दोलनों का एक उपसमूह हैं। पर्यावरण आंदोलन स्थायी संसाधन प्रबंधन की वकालत करते हैं। कई अभियान पर्यावरणीय मुद्दों, सार्वजनिक स्वास्थ्य और

मानवाधिकारों पर केंद्रित हैं। पर्यावरणीय आंदोलनों का आकार और संरचना अत्यधिक संरचित और औपचारिक रूप से संस्थागत से लेकर मौलिक रूप से आकस्मिक तक होती है। भारत के पर्यावरण आंदोलन पर चर्चा करें।

Environmental movements are a subset of social movements. Environmental movements advocate for sustainable resource management. Numerous campaigns are centred on environmental issues, public health, and human rights. Environmental movements range in size and structure from highly structured and formally institutionalised to radically casual. Discuss some environmental movement in India.

37. भारत पर अक्सर छोटे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करके एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय खिलाड़ी बनने की उम्मीद में बड़े भाईचारे का रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है और कभी-कभी, यहां तक कि छोटे राष्ट्रों को धमकाने की कोशिश भी की जाती है, इस स्थिति को अक्सर गलत समझा जाता है और गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

1. भारत की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए, एकमात्र ऐसा देश होने के कारण जिसकी सीमाएं अन्य से लगती हैं, भारत इन देशों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को नजरअंदाज नहीं कर सकता क्योंकि छोटे देशों में किसी भी अप्रिय घटना का भारत पर प्रभाव पड़ेगा। 2. 1971 के बांग्लादेश युद्ध के मामले में, जब पाकिस्तान सबसे बड़े आंतरिक संकट का सामना कर रहा था और पूर्वी पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान के प्रभुत्व का विरोध और विरोध कर रहा था, तब भारत ने दोनों को अलग कर दिया था, जो काफी हद तक संकट से प्रभावित था। 3, हालाँकि भारत पर पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रचने, देश को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया था, लेकिन पूर्वी पाकिस्तान में बढ़ती अस्थिर स्थिति से भारत गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। 4. बांग्लादेश संकट से पता चलता है कि कैसे भारत खुद पाकिस्तान में उभरे आंतरिक संकट का शिकार बन गया और भारत ऐसे घटनाक्रमों पर आंखें मूंदने का जोखिम नहीं उठा सकता था, जिनमें उसकी सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता थी।

India has often been accused of adopting a big brotherly attitude hoping to become an important regional player by interfering in the internal affairs of smaller countries and at times, even trying to bully smaller nation states, a position often misunderstood and misrepresented.

1. In looking into India's strategic location, being the only country that borders other, India cannot afford to overlook issues affecting these countries as any untoward incident in smaller nations will have its impact on India. 2. In the case of the Bangladesh war of 1971, with Pakistan facing the biggest internal crisis with East Pakistan resisting and protesting against the dominance of West Pakistan, India separating the two was largely impacted by the crisis. 3, Though India was accused of conspiring against Pakistan, trying to break the country, India was severely impacted by increased volatile situation in East Pakistan. 4. Bangladesh crisis reveals how India itself became a victim of the internal crisis that surfaced in Pakistan and that India could not afford to turn blind eye to such developments that demanded its active involvement

Or

विदेश नीति किसी देश के राजनीतिक अभिजात वर्ग के विचारों से समानता रखती है। प्रारंभ में पं. नेहरू के व्यक्तित्व का भारत की विदेश नीति के निर्माण और कार्यान्वयन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। वह खुद को विश्व शांति के चैंपियन के रूप में पेश करना चाहते थे इसलिए उन्होंने देश की विदेश नीति को एक आदर्श सामग्री दी।

1. इसी संदर्भ में नेहरू हमेशा शांति को न केवल एक आदर्श के रूप में बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए एक आवश्यक शर्त के रूप में भी चाहते थे। पं. के अनुसार नेहरू के अनुसार, भारत के लिए शांति 'विशिष्ट तटस्थता' नहीं थी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और समस्याओं के प्रति एक सक्रिय सकारात्मक दृष्टिकोण था, जिससे विवादों को सुलझाने के माध्यम से तनाव कम हो गया।
2. भारत की विदेश नीति के मुख्य वास्तुकार होने के नाते, पंडित नेहरू की विचारधारा ने भारत की विदेश नीति के सिद्धांतों का मार्गदर्शन किया। हम एक उदाहरण दे सकते हैं कि कैसे पं. नेहरू ने उपयुक्त टिप्पणी की कि उपनिवेशवाद-विरोध और साम्राज्यवाद-विरोध भारत की विदेश नीति के मूल तत्व हैं और तदनुसार, उन्होंने बाह्य संबंधों का संचालन किया। उदाहरण के लिए, भारत ने एशिया और अफ्रीका के कई हिस्सों में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। 1971 में जब पाकिस्तान बांग्लादेश के लोगों को कुचलने की कोशिश कर रहा था, तब भारत ने भी पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठाई थी।
3. यह भारत की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन शीत युद्ध की राजनीति की प्रतिक्रिया थी, जिसके तहत नव स्वतंत्र देशों ने खुद को किसी भी गुट के साथ नहीं जोड़ने और उनकी हथियारों की दौड़ का हिस्सा नहीं बनने का फैसला किया। इसके बजाय उन्होंने तनावपूर्ण माहौल को कम करने में मदद करने का फैसला किया।
4. 1954 में चीन के साथ हुए पंचशील समझौते को बार-बार दोहराया गया है। यह अन्य देशों के साथ भारत के संबंधों को भी नियंत्रित करता है।
5. 1962 में चीनी आक्रमण के बाद ही भारत की विदेश नीति को व्यावहारिक दृष्टिकोण दिया गया जिसके परिणामस्वरूप, वह पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ सका। भारत की विदेश नीति नेहरू के अलावा सरदार पटेल, गांधी, कृष्ण मेनन और श्रीमती इंदिरा गांधी से भी प्रभावित रही है।

Foreign policy bears resemblance with the views of political elites of a country. Initially, Pt. Nehru's personality had a significant influence on the formulation and implementation of India's foreign policy. He wanted to project himself as a champion of world peace so he gave an ideal content to the country's foreign policy.

a. It is in this context that Nehru always desired peace not merely as an ideal but also as an essential condition for its own security. According to Pt. Nehru, peace for India was not 'Specific Neutralism' but an active positive approach towards international relations and problems, leading to the easing of tensions by means of resolving disputes.

b. Being the chief architect of India's foreign policy, Pt Nehru's ideology guided India's foreign policy principles. We may give an example of how Pt. Nehru aptly remarked that anti-colonialism and anti-imperialism are the kernels of India's foreign policy and, accordingly, conducted external relations. For instance, India openly supported the anti-colonial movement in many parts of Asia and Africa. India also raised its voice against Pakistan when latter was trying to crush the people of Bangladesh in 1971.

c. This is one of the main characteristics of India's foreign policy. NAM was a reaction to the cold war politics, whereby newly independent countries decided not to align themselves with either of the blocs and not become part of their arms race. They instead decided to help in reducing the tensed atmosphere.

d. The Panchsheel agreement signed with China in 1954 has been reiterated time and again. It also regulates India's relations with other countries.

e. It was after the Chinese aggression in 1962 that the foreign policy of India was given a pragmatic approach as a result of which, it could fight the war with Pakistan. Apart from Nehru, India's foreign policy has also been influenced by Sardar Patel, Gandhi, Krishna Menon and Mrs. Indira Gandhi.

38.(1) क्षेत्रीय आकांक्षाएँ लोकतांत्रिक राजनीति का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और क्षेत्रीय मुद्दों की अभिव्यक्ति एक सामान्य घटना है। (2) लोकतांत्रिक वार्ता क्षेत्रीय मुद्दों को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है। (3) क्षेत्रीय मामलों को संवैधानिक ढांचे के भीतर सत्ता साझा करके हल किया जा सकता है। (4) देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच असमानताओं को दूर करने की बहुत आवश्यकता है। (5) पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाय।

(1) Regional aspirations are a very important part of democratic politics and expression of regional issues is a normal phenomenon. (2) Democratic negotiations are the best way to resolve the regional issues. (3) Regional matters can be resolved by power sharing within the constitutional framework. (4) There is a great need to remove disparities among the different regions of the nation. (5) Special attention should be given to the development of backward

Or

क्षेत्रीय आन्दोलन भारतीय राजनीति का अभिन्न अंग रहे हैं। यद्यपि कई क्षेत्रीय आंदोलन अधिक स्वायत्तता की मांग के साथ शुरू हुए, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय संघ से अलगाववाद की मांग उठी, जिससे राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा पैदा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक हिंसा हुई, ऐसी क्षेत्रीय आकांक्षाएं लोकतांत्रिक राजनीति का बहुत हिस्सा हैं। हालाँकि, सभी आंदोलन आवश्यक रूप से भारतीय संघ से अलगाववाद या अलगाववाद की मांग नहीं करते हैं, बल्कि वे देश का अभिन्न अंग बनकर समाधान की मांग करते हैं।

हम कुछ क्षेत्रीय आंदोलनों का उदाहरण दे सकते हैं जिन्होंने अधिक स्वायत्तता और अलग राज्य की मांग की थी। उदाहरण के लिए, राजनीतिक स्वायत्तता की मांग तब उठी जब गैर-असमिया लोगों को लगा कि असम सरकार असमिया भाषा थोप रही है। जनजातीय समुदाय अपने लिए एक अलग जनजातीय राज्य चाहते थे, जिसके परिणामस्वरूप असम से मेघालय, मिजोरम और

अरुणाचल प्रदेश का निर्माण हुआ। त्रिपुरा और मणिपुर को भी राज्यों में अपग्रेड किया गया। हम द्रविड़ आंदोलन का उदाहरण भी दे सकते हैं। हम जातीय आधार पर छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्य के निर्माण और संतुलित क्षेत्रीय विकास लाने का उदाहरण दे सकते हैं। तेलंगाना के निर्माण को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है

Regional movements have been an integral part of Indian politics. Although many regional movements started with the demand for greater autonomy leading to demand for secessionism from the Indian Union, posing a threat to the national integration, resulting in widespread violence, such regional aspiration are very much part of the democratic politics. However, not all movements necessarily demand separatism or secessionism from Indian Union, they rather demand solution by being an integral part of the country.

We may give examples of some regional movements that demanded greater autonomy and separate statehood. For example, demands for political autonomy arose when the non-Assamese felt that the Assam Government was imposing the Assamese language. Tribal communities wanted a separate tribal state for themselves, resulting in the creation of Meghalaya, Mizoram and Arunachal Pradesh out of Assam. Tripura and Manipur were upgraded into states too. We may also give example of the Dravidian movement. We may give examples of the creation of the state of Chhattisgarh and Uttarakhand on ethnic basis and also to bring about balanced regional development. The creation of Telengana can also be seen in this context.

39.1. संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बिना परस्पर निर्भरता और वैश्वीकरण संभव नहीं है। 2. गरीबी बेरोजगारी पर्यावरण गिरावट अपराध दर आदि मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना 3. दुनिया भर में अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और इसकी विशेष एजेंसियों की हमेशा आवश्यकता होती है। 4. संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रों के बीच किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद को सुलझाने और सर्वोत्तम संभव समाधान निकालने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। 5. यद्यपि संयुक्त राष्ट्र किसी भी संबंधित युद्ध और दुख को रोकने में विफल रहा है, बावजूद इसके कि राष्ट्रों को अंतरराष्ट्रीय शांति और समझ को बढ़ावा देने के लिए उपर्युक्त कारणों से इसकी निरंतरता की आवश्यकता है।

1. Interdependence and globalization are not possible without the international organizations such as the UN. 2. To enhance cooperation on the issues of poverty unemployment environmental degradation crime rate etc. 3. To provide financial assistance to developing countries to stabilize economy all over the world the UN and its specialized agencies are always required. 4. The UN works as a forum to solve any international dispute among nations and sort out the best possible. 5. Hence though the UN has failed in preventing any related wars and miseries despite the nations require its continuation due to above-mentioned reasons to promote international peace and understanding

Or भारत अपनी स्थापना के समय से ही संयुक्त राष्ट्र के लिए खड़ा रहा और जब इसकी स्थापना की कल्पना की गई तो उसने सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन में सर रामास्वामी मुदलियार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो उसने स्वेच्छा से संयुक्त राष्ट्र का सक्रिय सदस्य बनने का निर्णय लिया

और इसके बुनियादी सिद्धांतों और उद्देश्यों को अपने संविधान में शामिल किया। भारत ने बार-बार अपने प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र के आदर्शों को बरकरार रखा है।

भारत के नागरिक के रूप में, मैं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करूंगा:

A. भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है; इसलिए, विश्व जनसंख्या के लगभग पांचवें हिस्से की ओर से बोलने के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व की आवश्यकता होती है।

B. देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का दावा कर सकता है और शांति, सहयोग, निष्पक्षता और न्याय के मूल्यों को कायम रखते हुए सबसे स्थिर लोकतंत्रों में से एक भी हो सकता है।

C. भारत मानवाधिकारों का चैंपियन है। इसने मानव अधिकारों की अवधारणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों में भारत की सक्रिय भागीदारी को देखने के बाद, कोई भी आसानी से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता का समर्थन कर सकता है।

India stood for the UN since its inception and participated in the San Francisco Conference when its inception was conceived. A delegation led by Sir Ramaswami Mudaliar represented India at this conference. When India became independent, it voluntarily decided to be an active member of the UN and enshrined the latter's basic principles and objectives in its constitution. Time and again, India, in its efforts, has upheld the ideals of the UN.

As a citizen of India, I would support India's candidature in the UN Security Council:

a. India is the second most populous country in the world; therefore, it requires permanent representation in the Security Council for speaking on behalf of almost one-fifth of the world population.

b. The country can claim to be the largest democracy in the world and also one of the most stable democracies, upholding values of peace, cooperation, fairness and justice.

C. India is the champion of Human Rights. It has signed the Universal Declaration of Human Rights showing her commitment to the concept of Human Rights.

After looking into the active participation by India in the UN's activities, one would easily endorse India's membership in the UN Security Council

40. भारत में वैश्वीकरण का विरोध विभिन्न क्षेत्रों से आया है: 1. आर्थिक उदारीकरण के विरोध में वामपंथियों ने राजनीतिक दलों के साथ-साथ भारतीय सामाजिक मंच जैसे मंच के माध्यम से भी आवाज उठाई थी। 2. ट्रेड यूनियनों और किसान हितों ने भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया है। 3. अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों द्वारा नीम जैसे कुछ पौधों के पेटेंट का भी विरोध हुआ है। 4. राजनीतिक दलों की ओर से भी विभिन्न सांस्कृतिक

प्रभावों पर आपत्ति के रूप में विरोध सामने आया है, जैसे केबल नेटवर्क द्वारा प्रदान किए जाने वाले विदेशी टीवी चैनलों की उपलब्धता, वेल्लेटाइन डे का उत्सव और ड्रेस कोड का पश्चिमीकरण।

Resistance to globalization in India has come from different quarters: 1. Left using protests to economic liberalization was voiced through political parties as well as through forum like the Indian Social Forum. 2. Trade Unions and farmer's interests have also organized protests against MNCs. 3. The patenting of certain plants like Neem by American and European firms has also generated protests. 4. Resistance has come from political parties also in the form of objecting to various cultural influences like availability of foreign T.V. channels provided by cable networks celebration of Valentine's Day and Westernisation of dress code.

Or

वैश्वीकरण के आलोक में विकासशील देशों में राज्य की बदलती भूमिका के प्रभाव को निम्नानुसार संक्षेपित किया जा सकता है: 1. वैश्वीकरण राज्य की क्षमता को कम करता है। इ। सरकारों की वह करने की क्षमता जो वे करती हैं। 2. बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं को कम करने का प्रमुख निर्धारक बन जाता है। 3. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ सरकारों द्वारा लिए गए निर्णयों पर प्रभाव डालती हैं क्योंकि उनके स्वयं के हित की पूर्ति सरकारी नीतियों पर निर्भर करती है। 4. पुराना कल्याणकारी राज्य अब कानून और व्यवस्था के रखरखाव और सुरक्षा जैसे कुछ मुख्य कार्यों को करने के लिए न्यूनतम राज्य को रास्ता दे रहा है।

The impact of changing role of the state in developing countries in the light of globalization can be summed up as follows: 1. Globalisation reduces state capacity i. E. The ability of governments to do what they do. 2. The market becomes the prime determinant to down economic and social priorities. 3. Multinational companies effect on the decision taken by governments because their own interest fulfillment depends on government policies. 4. The old Welfare state is now giving way to more minimalist state to perform certain core functions as maintenance of law and order and the security.

